


---

# Rama Ashtakam

——  
**रामाष्टकम्**

——  
**Document Information**



---

Text title : raamaashhTaka 3 bhaje visheShasundaram

File name : raamaashhTaka3.itx

Category : aShTaka, raama, vyAsa

Location : doc\_raama

Author : Shri Vyasa

Proofread by : Madhavi U mupadrasta at gmail.com

Latest update : January 31, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 31, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



रामाष्टकम्



भजे विशेषसुन्दरं समस्तपापखण्डनम् ।  
स्वभक्तचित्तरञ्जनं सदैव राममद्वयम् ॥ १ ॥

जटाकलापशोभितं समस्तपापनाशकम् ।  
स्वभक्तभीतिभङ्गनं भजेह राममद्वयम् ॥ २ ॥

निजस्वरूपबोधकं कृपाकरं भवापहम् ।  
समं शिवं निरञ्जनं भजेह राममद्वयम् ॥ ३ ॥

सहप्रपञ्चकल्पितं ह्यनामरूपवास्तवम् ।  
निराकृतिं निरामयं भजेह राममद्वयम् ॥ ४ ॥

निष्प्रपञ्चनिर्विकल्पनिर्मलं निरामयम् ।  
चिदेकरूपसन्ततं भजेह राममद्वयम् ॥ ५ ॥

भवाब्धिपोतरूपकं ह्यशेषदेहकल्पितम् ।  
गुणाकरं कृपाकरं भजेह राममद्वयम् ॥ ६ ॥

महावाक्यबोधकैर्विराजमनवाक्पदैः ।  
परब्रह्म व्यापकं भजेह राममद्वयम् ॥ ७ ॥

शिवप्रदं सुखप्रदं भवच्छिदं भ्रमापहम् ।  
विराजमानदैशिकं भजेह राममद्वयम् ॥ ८ ॥

रामाष्टकं पठति यः सुकरं सुपुण्यं  
व्यासेन भाषितमिदं शृणुते मनुष्यः ।  
विद्यां श्रियं विपुलसौख्यमनन्तकीर्तिं  
सम्प्राप्य देहविलये लभते च मोक्षम् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीव्यासविरचितं रामाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Madhavi U mupadrasta at gmail.com

---



*Rama Ashtakam*

pdf was typeset on January 31, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

